



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 433]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 18, 1994/आश्विन 26, 1916

No. 433]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 18, 1994/ASVINA 26, 1916

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1994

सा. का. नि. 757 (अ) :—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पत्तन न्यासी मण्डल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास कर्मचारी (अन्यत्र सेवा) विनियम, 1994 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

[फा. सं. पी. आर-12016/43/93—पी. ई. 1]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

अनुसूची

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी
सेवा की शर्तें (अन्यत्र सेवा)
विनियम, 1994

अध्याय : 1

प्रस्तावना

महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट का न्यासी बोर्ड एतद्वारा निम्न विनियम बनाना है, अर्थात् :—

संक्षिप्त नाम और प्रयुक्ति :

1. ये विनियम जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारों अन्यत्र सेवा विनियम, 1994 कहें जायेंगे और ये उस दिनांक से सभी कर्मचारियों को लागू होंगे, जिसे केन्द्र सरकार भारत के राजपत्र में तत्क्षिप्त अधिसूचित करे।

(1)

अध्याय : 2

परिभाषाएं :

2. इन विनियमों में, जब तक कि कोई बात सन्दर्भ या विषय में विरुद्ध न हो :—

- (1) "अधिनियम" का तात्पर्य "महापत्तन, न्माभ अधिनियम, 1963" और तत्सम्बन्धी किसी सांविधिक संशोधन से है।
- (2) "बोर्ड", "अध्यक्ष", "उपाध्यक्ष" और "विभाग प्रमुख" का वही तात्पर्य होगा जैसा कि अधिनियम में क्रमशः उनके लिए दिया गया है।
- (3) "काडर" का तात्पर्य पृथक् एकक के रूप में मंजूर की गई किसी सेवा या किसी सेवा के भाग के सदस्यों की संख्या से है।
- (4) "प्रतिकरात्मक भत्ता" का तात्पर्य जिस परिस्थिति में कर्तव्य का पालन किया जाता है उस विशेष परिस्थिति के कारण आवश्यक हुये वैयक्तिक व्यय को पूरा करने के लिए अनुसूची में सम्मिलित किये गये या अनुसूची में सम्मिलित करने के लिए अनुमोदित किये गये या इन या अन्य किसी विनियमों के अधीन अनुदत्त किये गये भत्ते से है। इसमें यात्रा भत्ता सम्मिलित है।
- (5) "सक्षम प्राधिकारी" का तात्पर्य जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील विनियम में यथापरिभाषित नियुक्ति प्राधिकारी से है, या सक्षम प्राधिकारी के अधीनस्थ ऐसे अन्य प्राधिकारी से जिसे कि बोर्ड द्वारा शक्ति प्रत्यायोजित की गई है।
- (6) "कर्तव्य" में समझा जाता है कि निम्न बातें सम्मिलित हैं :—
 - (क) प्रोबेशनर या अप्रेंटिस के रूप में सेवा, बशर्ते कि ऐसी सेवा के उपरान्त वह सेवा स्थायी हो जाती है,
 - (ख) इसमें आगे यथापरिभाषित कार्य ग्रहण की अवधि,
 - (ग) भारत या विदेश में शिक्षण या प्रशिक्षण की चर्चा, और
 - (घ) प्राधिकृत अनुपस्थिति की ऐसी अवधि, जिसे अधिनियम के अधीन बनाये गये इन विनियमों और/या किसी अन्य विनियमों के उपबंध के अधीन कर्तव्य के रूप में विनिश्चित किया जाये।
- (7) "कर्मचारियों" का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है, जो कि अनुसूची में दर्ज या अनुसूची में दर्ज

करने के लिए अनुमोदित नियत वेतन या काल-वेतनमान पर किसी पद पर नियुक्त किया गया है।

- (8) "अन्यत्र सेवा" का तात्पर्य ऐसी सेवा से है, जिसमें कर्मचारी सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी से, पत्तन के साधारण लेखा या पत्तन के पायलाटेज लेखा से अन्य किसी स्रोत से वेतन प्राप्त करता है।
- (9) "सरकार" का तात्पर्य भारत सरकार से है।
- (10) "कार्यग्रहण की अवधि" का तात्पर्य किसी कर्मचारी को स्थानान्तरण पर, नया पदभार ग्रहण करने के लिए या जिस स्थान पर उसका तबादला हुआ है उस स्थान से आने-जाने के लिए प्रदान की गई कलावधि से है।
- (11) "छुट्टी वेतन" का वही तात्पर्य होगा, जैसा कि जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी छुट्टी विनियम में परिभाषित किया गया है।
- (12) "धारणाधिकार" का तात्पर्य, जिस स्थायी पद पर कर्मचारी की अधिष्ठायी रूप से नियुक्ति हुई है, उस स्थायी पद को तुरन्त या अनुपस्थिति की कालावधि के पर्याप्तन पर अधिष्ठायी तौर से धारण करने के कर्मचारी के अधिकार से है।

स्पष्टीकरण :—

कोई कर्मचारी बोर्ड की सेवा में केवल एक बार स्थायी पद पर स्थायी किया जायेगा। बोर्ड की सेवा में प्रवेश करने के बाद कर्मचारी द्वारा धारित स्थायी पद पर सक्षम प्राधिकारी के समाधान पर्यन्त परिवीक्षा पूरी करने के बाद उसे स्थायी किया जायेगा। स्थायी पद पर स्थायीकरण होने के बाद बोर्ड की सेवा में किसी अन्य स्थायी पद पर कर्मचारी की नियमित नियुक्ति किये जाने पर वह कर्मचारी उस अन्य स्थायी पद पर धारणाधिकार रखने के लिए हकदार होगा।

- (13) "वेतन" का तात्पर्य किसी कर्मचारी द्वारा मासिक उठाई जाने वाली राशि से है, जैसे कि :—

(एक) वेतन (उसकी वैयक्तिक अर्हताओं के कारण अनुदत्त विशेष वेतन या वेतन से भिन्न), जो कि उसके द्वारा तत्पश्चात् या स्थानापन्न की हैसियत से धारण किये गये पद के लिए मंजूर किया गया है या बोर्ड की सेवा में अपने पद के कारण जिसके लिए वह हकदार है और इसमें अस्थायी पद पर रहते हुए उठाया गया वेतन सम्मिलित है।

(दो) विशेष वेतन, वैयक्तिक वेतन और
(तीन) कोई अन्य उपलब्धियां जिसे सरकार के
पूर्वानुमोदन से बोर्ड द्वारा वेतन के रूप में
वर्गीकृत किया गया है।

(14) "यात्रा-भत्ता" का तात्पर्य ऐसे भत्ते से है जो
कि किसी कर्मचारी को अपने नियोजन के
दौरान यात्रा पर खर्च किये गये व्यय को
पूरा करने के लिए मंजूर किया जाता है।
इसमें किसी भी प्रकार के सवारी के वाहन के
अनुरक्षण के लिए दिया जाने वाला भत्ता
सम्मिलित है।

(15) कोई भी ऐसी शर्त जो जवाहरलाल नेहरू पत्तन
न्यास सेवा की सामान्य शर्तें विनियमावली में वर्णित
की गई है किन्तु उपर्युक्त रूप से नहीं दर्शाई
है उसका अर्थ वही रहेगा जो इस विनियमावली
की शर्तों में वर्णित है।

अध्याय : 3

अन्यत्र सेवा

3. केवल कर्मचारी की राय से ही अन्यत्र सेवा :—

(1) किसी कर्मचारी की इच्छा के विरुद्ध उसका तबादला
अन्यत्र सेवा में नहीं किया जायेगा।

(2) केन्द्र सरकार के पूर्वानुमोदन के बिना किसी कर्मचारी
का तबादला भारत के बाहर अन्यत्र सेवा में नहीं किया
जायेगा।

4. अन्यत्र सेवा में तबादला अनुज्ञेय नहीं है, जब तक कि :—

(एक) तबादला के बाद किये जाने वाले कर्तव्य ऐसे न हों
जो कि समक्ष अधिकारी की राय में कर्मचारी
ने किया न हो।

(दो) जिस कर्मचारी का तबादला हुआ है वह तबादले के
समय स्थायी पद का धारणाधिकार न रखा हो।

5. छुट्टी के दौरान अन्यत्र सेवा के प्रारम्भ होने की तिथि :—

यदि किसी कर्मचारी का तबादला उसकी छुट्टी के दौरान
अन्यत्र सेवा में किया जाता है, तो वह ऐसे तबादले के
दिनांक से छुट्टी पर नहीं होगा और छुट्टी वेतन
नहीं मिलेगा।

6. काडर में अन्यत्र सेवा में गये कर्मचारी की स्थिति :—

जिस कर्मचारी का तबादला अन्यत्र सेवा में हुआ है वह उसी काडर
में बना रहेगा जिसमें कि वह तबादला के मध्यपूर्व अधिष्ठायी
या स्थानापन्न हैमित्य से सम्मिलित किया गया था और अन्यत्र
सेवा के दौरान उसे काडर में ऐसी अधिष्ठायी या स्थानापन्न
पदोन्नति दी जा सकेगी जैसा कि सक्षम प्राधिकारी विनिश्चित

करें। पदोन्नति देने समय वह प्राधिकारी अन्यत्र सेवा में
किये गये कार्य के स्वरूप को भी ध्यान में रखेगा।

7. अन्यत्र सेवा की शर्तें निर्धारित करने की विधि :—

(1) अन्यत्र सेवारत कर्मचारी बोर्ड की सेवा में अपने पद
का प्रभार जिस दिनांक को त्याग करता है उसी
दिनांक से वह इतर विभाग नियोजक से अपना वेतन
प्राप्त करेगा। उसके वेतन की राशि, उसे अनुज्ञेय
कार्यग्रहण काल की सोमा, ऐसे कार्यग्रहण
काल में उसका वेतन और तबादले की
अन्य शर्तें सक्षम प्राधिकारी द्वारा इतर
विभाग नियोजक से परामर्श करके नियत की
जायेगी।

(2) अन्यत्र सेवा में कर्मचारी के तबादला के निबंधन
और शर्तें इतर विभाग के नियोजक के
साथ परामर्श करके काफी पहले तय कर
ली जायें और अन्यत्र सेवा में पदग्रहण करने
के लिए कर्मचारी की निर्मुक्ति होने के पहले
इतर विभाग के नियोजक को सूचित कर
दिया जाये।

(3) कर्मचारी को ऐसा कोई पारिश्रमिक प्राप्त करने
अथवा रियायत का लाभ उठाने की अनुमति
नहीं होगी जिसे कि इतर विभाग के नियोजक
को सूचित न किया गया हो।

(4) कर्मचारी को मंजूर किये गये निबंधन ऐसे न
हों जिससे कि इतर विभाग के नियोजक
पर अनावश्यक बोझ पड़े।

(5) कर्मचारी को बोर्ड की सेवा में जो पारिश्रमिक मिलता
है उसमें इतना अधिक निबंधन न मंजूर किया
जाये कि अन्यत्र सेवा सरकारी सेवा की तुलना
में जरूरत से ज्यादा आकर्षित लगे।
तथापि, जिस अन्यत्र सेवा में कर्मचारी का
तबादला करना है यदि उस पद के कर्तव्य और
उत्तरदायित्व बोर्ड की सेवा में उनके वेतन बोर्ड की
सेवा में उसका दर्जा और वेतन तथा जिस कार्य
के लिए उसका तबादला हुआ है उस कार्य का
स्वरूप दोनों को विशेष रूप से ध्यान में रखकर नियत
किया जा सकता है।

(6) इतर विभाग के नियोजक द्वारा निम्न रियायतें
दी जाने के लिए सक्षम प्राधिकारी मंजूरी
दे सकता है :—

(ए) इन विनियमों के अधीन छुट्टी वेतन और पेंशन
के प्रति अग्रदान की अवधारणा।

(दो) इतर विभाग के नियोजक द्वारा बनाये गये
विनियमों के अधीन यात्रा भत्ता प्रदान करना।

(तीन) निःशुल्क और सुसज्जित आवास प्रदान
करना।

(7) वेतन वृद्धि में प्रतिबन्ध :—

अन्यत्र सेवा में नियुक्ति होने के कारण किसी कर्मचारी को वेतन में मामान्य बढ़ोतरी न मिले इस दृष्टि से सक्षम प्राधिकारी यह सुनिश्चित करेगा कि अन्यत्र सेवा के पद के वेतनमान में दिया गया वेतन मूल विभाग के वेतन की तुलना में निम्न राशियों से अधिक नहीं :—

रु. 2,200 से अधिक मूल वेतन मूल वेतन का 12 1/2 %
पानेवाले कर्मचारियों के संबंध अथवा रु. 330/—
में इनमें जो भी अधिक है।

रु. 2,200/—तक मूल वेतन मूल वेतन का 15 प्रतिशत
पानेवाले कर्मचारियों के संबंध में अथवा रु. 200/— इन में
जो भी अधिक है।

(8) अन्यत्र सेवा में पदोन्नति पूर्व नियोजक की सहमति से :—

जब अन्यत्र सेवा में किसी को इतर विभाग के नियोजक द्वारा अन्य पद पर पदोन्नति किया जाता है, तो उस वृत्ति में इतर विभाग के नियोजक को चाहिए कि वह पदोन्नति देने के पूर्व मूल विभाग के प्राधिकारी की सम्मति प्राप्त कर लें।

(9) प्रतिनियुक्ति सेवा भत्ता के साथ परियोजना भत्ते का भुगतान :—

प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता के अतिरिक्त किसी परियोजना के क्षेत्र में अनुज्ञेय परियोजना भत्ता मिल सकेगा।

(10) वेतन आहरण के लिये विकल्प :—

अन्यत्र सेवा के कर्मचारी को निम्नलिखित रूप से वेतन आहरण का विकल्प चयन करने का अधिकार होगा :—

वह उस पद के वेतनमान को ग्रहण कर सकेगा जो अन्यत्र सेवा में रहते हुए समय-समय पर नियम किया जाता है अथवा

जब वह बोर्ड की सेवा में प्रोन्नति पाता है अथवा निश्चित वेतनमान में अवतर कर दिया जाता है अथवा अन्यत्र सेवा में वह किसी अन्य पद पर अथवा अन्यत्र सेवा के वेतनमान में नियुक्त किया जाता है अथवा बोर्ड की सेवा में वह जिस पद पर है उसे पुनरीक्षित किया जाता है तो वह कर्मचारी बोर्ड की सेवा में यथा समय नियम अपना मूल वेतन और अगर कोई वैयक्तिक वेतन हो तो वह तथा प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता प्राप्त कर सकता है।

(11) अन्यत्र सेवा की अवधि

उन पदों को छोड़कर जिनमें लम्बी अवधि के कार्य-काल को निश्चित किया गया है अन्य सभी

पदों की अन्यत्र सेवा की अवधि अधिकतम तीन वर्ष होगी। अन्यत्र सेवा के नियोजक द्वारा इस सीमा से अधिक अवधि अध्यक्ष की मंजूरी ले कर ही बढ़ाई जा सकेगी बशर्ते कि चार वर्ष से अधिक सेवा अवधि बढ़ाने पर कोई प्रतिनियुक्ति (सेवा) भत्ता नहीं दिया जाएगा।

8. प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता :—

(1) प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता निम्न दर पर अनुज्ञेय होगा :—

(एक) जब उसी स्थान के भीतर नवाचना हुआ है तो कर्मचारी के मूल वेतन का 5 टक्का और अधिकतम रु. 250 तक और

(दो) अन्य समस्त मामलों में कर्मचारी के मूल वेतन का 10 टक्का और प्रतिमाह अधिकतम रु. 500 तक :

तरतु मूल वेतन और प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता किसी भी समय प्रतिमाह रु. 7,300 से अधिक नहीं होगा।

(2) उपर्युक्त 1.1 के अनुसार अनुज्ञेय प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता पर यह भी सीमा होगी कि मूल विभाग में समय-समय पर, कर्मचारी का मूल वेतन और प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता मिलाकर, प्रतिनियुक्ति पर धारण किये गये पद के वेतनमान की अधिकतम दर अथवा जहां प्रतिनियुक्ति के पद का नियत वेतन हो तो उस नियत राशि से अधिक नहीं होगा।

(3) मूल वेतन में वह विशेष वेतन भी सम्मिलित होगा यदि कर्मचारी को मूल विभाग के पद के पृथक् वेतनमान के बदले में वेतनमान के अलावा किसी पद पर विशेष वेतन मंजूर किया गया है, उसे ड्यूटी (प्रतिनियुक्ति) भत्ता के अलावा यह विशेष वेतन प्राप्त करने की अनुमति होगी।

(4) जब कोई कर्मचारी अन्यत्र सेवा में है :—

(1) उसकी पेंशन का अंशदान पत्न के सामान्य खाते में जमा किया जाएगा।

(2) यदि अन्यत्र सेवा भारत में है, तो छुट्टी वेतन की लागत के लिए भी अंशदान अदा किया जायेगा।

(3) उप-विनियम (1) और/ अथवा (2) के अधीन वेय अंशदान जब तक कि इतर विभाग नियोजक वह अदा करने के लिए राजी न हों, स्वयं कर्मचारी द्वारा अदा किया जायेगा। अन्यत्र सेवा के दौरान ली गई छुट्टी में यह देय नहीं होगा।

(4) विनियम 54(2) के अधीन की गई

विशेष व्यवस्था के अनुसार, भारत के बाहर
अन्यत्र सेवा के मामले में भी इतर विभाग
नियोजक से वेतन छुट्टी के संबंध में अंशदान
करने की अपेक्षा की जा सकेगी।

9. छुट्टी वेतन अंशदान :—

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (छुट्टी) विनियमों द्वारा विनियमित
कर्मचारियों के छुट्टी वेतन की मासिक अंशदान
की दर, अन्यत्र सेवा में प्राप्त किये जाने वाले

वेतन का है

10. पेंशन के मासिक अंशदान की दरें :—

पेंशन के मासिक अंशदान की दरें प्रतिशत में अभि-
व्यक्त की जायेगी, जो कि कर्मचारी के सेवा वर्ग और
सेवाकाल के वर्ष पर निर्भर करता है और यह या तो
अन्यत्र सेवा में जाने के समय उसके द्वारा धारित पद के
अधिकतम मासिक वेतन पर या यदि वह अन्यत्र सेवा के
समय किसी पद पर प्रोफार्मा पदोन्नति प्राप्त करता है, तो
महंगाई भत्ता, अतिरिक्त महंगाई भत्ता, तदर्थ महंगाई भत्ता
और/या अंतरिम राहत, जो वेतन मानो जाती है, के साथ
तो उस पद के, यदि कोई हो, अधिकतम मासिक वेतन पर
लगणित किया जाता है।

पेंशन के मासिक अंशदान की दरें निम्न प्रकार हैं :—

सेवा	वर्ष	अन्यत्र सेवा में जाने के समय अधिकारी द्वारा धारित स्थानापन्न या यथास्थिति, अधिष्ठायी श्रेणी के पद के अधिकतम मासिक वेतन के प्रतिशत के रूप में दी गई मासिक अंशदान की दरें			
		वर्ग-1	वर्ग-2	वर्ग-3	वर्ग-4
0-1	वर्ष	7%	6%	5%	4%
1-2	"	7%	6%	6%	4%
2-3	"	8%	7%	7%	5%
3-4	"	8%	7%	7%	5%
4-5	"	9%	8%	7%	5%
5-6	"	10%	8%	7%	6%
6-7	"	10%	9%	8%	6%
7-8	"	11%	9%	8%	6%
8-9	"	11%	10%	9%	7%
9-10	"	12%	10%	9%	7%
10-11	"	12%	11%	10%	7%
11-12	"	13%	11%	10%	8%
12-13	"	14%	12%	10%	8%
13-14	वर्ष	14%	12%	11%	8%
14-15	"	15%	13%	11%	9%
15-16	"	15%	13%	12%	9%
16-17	"	16%	14%	12%	9%
17-18	"	16%	14%	13%	10%
18-19	"	17%	15%	13%	10%
19-20	"	17%	15%	13%	10%
20-21	"	18%	16%	14%	11%
21-22	"	18%	16%	14%	11%
22-23	"	19%	17%	15%	11%
23-24	"	20%	17%	15%	12%
24-25	"	20%	17%	16%	12%
25-26	"	21%	18%	16%	12%
26-27	"	21%	18%	16%	13%
27-28	"	22%	19%	17%	13%
28-29	"	23%	19%	17%	13%
29-30	"	23%	20%	18%	13%
30 वर्ष से ऊपर		23%	20%	18%	14%

11. अंशदायी भविष्य निधि के अंशदान की दरें :—

- (1) जो कर्मचारी जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट अंशदायी भविष्य निधि का अभिदाता है और जिसका तबादला अन्यत्र सेवा में किया गया है, वह इस निधि में अन्यत्र सेवा में मिलने वाले वेतन की दर पर संगणित मासिक अभिदान अदा करेगा।
- (2) इस के अतिरिक्त, इतर विभाग का नियोजक या स्वयं कर्मचारी सक्रिय अन्यत्र सेवाकाल के लिये एकस + एकसवाई सूत्र के अनुसार अवधारित अंशदान भी अदा करेगा, इस सूत्र में एकत्र वह राशि है जिसे यदि कर्मचारी अन्यत्र सेवा में न गया होता तो अंशदायी भविष्य निधि में कर्मचारी के खाते प्रतिमाह जमा किया जाता और उसके द्वारा अन्यत्र सेवा से प्राप्त वेतन की दर, इस प्रयोजन के लिये उसकी उपलब्धियां समझी जायेंगी और वही अन्यत्र सेवा में प्राप्त वेतन की राशि का वह अंश है जो कि छुट्टी वेतन अंशदान के रूप में वसूलीय है।

परन्तु, प्रतिशत के आधार पर देय अंशदानों की राशि निकटतम रुपये में पूर्णांकित की जाएगी और पचास पैसे के बराबर अंश को ठीक ऊपर के रुपये में पूर्णांकित किया जायेगा।

12. (1) पेंशन अंशदान की दर ऐसी होगी, जिससे कर्मचारी को वही पेंशन मिले जो कि यदि अन्यत्र सेवा में तबादल न हुआ तो बोर्ड की सेवा में उसे मिली होती।

(2) छुट्टी वेतन के लिए अंशदान की दर ऐसी होगी जिससे कर्मचारी का वेतनमान पर और उस लागू गतों के अधीन छुट्टी वेतन मिल सके।

13. अन्यत्र सेवा में तबादला होने की वशा में, बोर्ड—

- (एक) किसी विनिर्दिष्ट मामले में या मामलों के वर्ग में देय अंशदान की छूट दे सकेगा और
- (दो) अतिशोध्य अंशदान पर उदग्रहीत की जानेवाली ब्याज की दर, यदि कोई हो, विहित कर सकेगा।

14. (1) अन्यत्र सेवारत किसी कर्मचारी के सम्बन्ध में देय छुट्टी वेतन या पेंशन का अंशदान, प्रति वर्ष प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत से पन्द्रह दिनों के भीतर या यदि वित्तीय वर्ष के पूरे होने से पहले ही अन्यत्र सेवा का अवसान हो जाता है तो अन्यत्र सेवा के अंत में अदा किया जायेगा और यदि उक्त अवधि के भीतर अदायगी नहीं की जाती है, तो उपर्युक्त अवधि के अवसान के दिनांक से अंशदान की अंतिमतः अदायगी होने के दिनांक तक प्रतिदिन प्रति सौ रुपये पर दो पैसे की दर से ब्याज अदा किया जायेगा। यह अंशदान अदा करने के लिए वायी कर्मचारी या, यथा-स्थिति, इतर विभाग नियोजक द्वारा ब्याज अदा किया जायेगा

(2) छुट्टी वेतन और पेंशन का अंशदान अलग-अलग अदा किया जायेगा और बोर्ड में किमी भी संबन्ध में व्यतीत कोई भी वेय इन अंशदानों के प्रति मुजरा नहीं किया जायेगा।

(3) अन्यत्र सेवा का कर्मचारी अंशदान रोक लेने एवं अन्यत्र सेवा में व्यतीत समय को बोर्ड सेवा में बिताया गया समय गिने जाने का अधिकार त्याग देने का चयन नहीं कर सकेगी। उसकी ओर से किया गया अंशदान उा लागू नियमों के अनुसार पेंशन या, यथास्थिति, पेंशन और छुट्टी वेतन के लिए उसका दावा बनाये रखता है : संवत्त अंशदान में न तो कर्मचारी और न ही इतर विभाग नियोज को संपत्ति का अधिकार है और प्रतिदाय के लिए कोई भी बाध ग्रहण नहीं किया जायेगा।

15. अन्यत्र सेवा में तबादला किया गया कर्मचारी अध्यक्ष की मंजूरी के बिना, अपने इतर विभाग नियोजक से ऐसी सेवा के संबंध में पेंशन या उपदान स्वीकार नहीं करेगा।

16. भारत में अन्यत्र सेवारत कर्मचारी का छुट्टी अनुदत्त नहीं की जायेगी अन्यथा कि ऐसी छुट्टी बोर्ड की सेवा में उसे लागू नियमों के अनुसार है और जब तक कि वह वस्तुतः छुट्टी छोड़ कर छुट्टी पर न चला जाए वह बोर्ड से छुट्टी नहीं लेगा या छुट्टी वेतन प्राप्त नहीं करेगा।

17. अन्यत्र सेवा में तबादला की मंजूरी के आदेश में इस प्रभाव की शर्त निर्विष्ट की जायेगी कि पेंशन अंशदान और छुट्टी वेतन अंशदान की अदायगी इतर विभाग के नियोजक द्वारा की जायेगी या कि स्वयं कर्मचारी द्वारा की जायेगी। जहां तबादला किया हुआ कर्मचारी स्वयं पेंशन/अंशदायी भविष्य निधि और छुट्टी वेतन के संबंध में अंशदान की अदायगी करने के लिए दायी है, उस वशा में तबादला किया हुआ कर्मचारी से इतर विभाग के नियोजक के नाम संबंधित ऐसा पत्र लेना आवश्यक होगा, जिसमें कि कर्मचारी इतर विभाग नियोजक से अनुरोध किया हो कि इतर विभाग का नियोजक उसके वेतन में से बोर्ड को विनिर्दिष्ट मासिक राशि अन्यत्र सेवा के अंशदान के रूप में अदा करे, ताकि इतर विभाग नियोजक विधितः और प्राधिकृतरूप से कर्मचारी के वेतन में से आवश्यक कटौती करके बोर्ड को प्रेषित कर सके।

18. जब तक इतर विभाग नियोजक कर्मचारी को ऐसी अधिकारजन्य चिकित्सा सुविधा और अन्य सुविधा प्रदान करने का वचन नहीं देता है जो कि उसे बोर्ड की सेवा में मिली होती, तब तक उस कर्मचारी का तबादला अन्यत्र सेवा में नहीं किया जायेगा।

19. (1) अन्यत्र सेवा में तबादला हुए कर्मचारी के मामले में इतर विभाग नियोजक, अन्यत्र सेवा की कालावधि में हुई किसी असक्तता के कारण कर्मचारी को मंजूर की गई असक्तता छुट्टी के सबन्ध में छुट्टी वेतन देने का अधिकार स्वीकार करेगा, भले ही ऐसी असक्तता अन्यत्र सेवा की समाप्ति के बाव स्वयं बड़ी हो।

(2) ऐसी छुट्टी के लिए छुट्टी बेतन प्रभार कर्मचारी सीधे इतर विभाग नियोजता से वमूल करेगा और अन्यत्र सेवा में तबादला की मंजूरी के आदेश में इस प्रभाव की शर्त निर्दिष्ट करना चाहिए।

20. जहाँ कोई कर्मचारी बोर्ड की सेवा में वापस लौटे बिना इतर विभाग के एक नियोजक के पास से दूसरे नियोजक के यहाँ तबादला पर जाता है, ऐसी दशा में जिस नियोजक के यहाँ कर्मचारी तबादला पर जाता है वह इतर विभाग नियोजक, कर्मचारी के यात्रा वेतन, भत्ता और तबादला संबंधी यात्रा भत्ते का खर्च उठायेगा।

21. जो कर्मचारी अन्यत्र सेवाकाल के दौरान सेवानिवृत्त होता है या उसकी मृत्यु हो जाती है उसे देय मंहगाई भत्ता की राशि, उसकी सेवा निवृत्ति या मृत्यु के समय उसे अनुज्ञेय और उपयोग में न लाई गई छुट्टी के बदले में छुट्टी बेतन के बराबर नकद रूप में बोर्ड द्वारा उसे श्रदा की जायेगी।

कार्यग्रहण काल

22. सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जिस कर्मचारी का तबादला हुआ है उसे वहीं पर या नये स्थान पर पद ग्रहण करने हेतु कार्यग्रहण काल मंजूर किया जायेगा, अस्थायी तबादलों के मामले में जिनकी अवधि 180 दिनों से अधिक नहीं है, कार्यग्रहण काल अनुज्ञेय नहीं है; केवल वास्तविक यात्रा काल, जैसा कि दौरे पर की गई यात्राओं के मामले में अनुज्ञेय है, मंजूर किया जा सकता है।

23. यदि पुराने पद का प्रभार पूर्वाह्न में त्याग किया जाता है तो उसी दिनांक से और यदि अपराह्न में पद के प्रभार का त्याग किया जाता है, तो अगले दिनांक से कार्यग्रहण काल प्रारंभ होगा।

24. उसी स्थान के भीतर नया पद ग्रहण करने के लिए या जहाँ एक स्थान से दूसरे स्थान पर निवास्थान नहीं बदलना पड़े, ऐसा नया पद ग्रहण करने के लिए एक दिन से अधिक का कार्यग्रहण काल नहीं दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण : इस प्रयोजन के लिए, "उसी स्थान" पद का तात्पर्य उस क्षेत्र से है जो कि नगरपालिका या नगर निगम की अधिकारिता के अंतर्गत आते हैं और इसमें उन उपनगरीय नगरपालिकाओं, अधिसूचित क्षेत्रों या छावनियों की अधिकारिता के भीतर के क्षेत्र भी सम्मिलित हैं जो कि उक्त नाम की नगरपालिका, आदि से संलग्न हों।

(2) जहाँ एक स्थान से दूसरे स्थान पर तबादला हुआ हो और निवासस्थान भी बदल गया हो, ऐसे मामलों में निम्न अनुसूची में यथावर्णित सीधे मार्ग और साधारण प्रकार की यात्रा से पुराने मुख्यालय और नये मुख्यालय के बीच की दूरी के संदर्भ में कर्मचारी को कार्यग्रहण काल प्रदान किया जायेगा। जब कार्यग्रहण काल के आगे छुट्टी या छुट्टियाँ आती हों, तो ऐसा समझा जा सकता है कि सामान्य कार्यग्रहण काल इन छुट्टियों तक आगे बढ़ा दिया गया है।

पुराने मुख्यालय और नये मुख्यालय के बीच की दूरी अनुज्ञेय जहाँ तबादला के कारण अतिवर्त्यनः 200 कि.मी. से अधिक लगातार सड़क से यात्रा करनी पड़े ऐसी दशा में अनुज्ञेय कार्यग्रहण काल

1,000 कि.मी. या कम	10 दिन	12 दिन
1,000 कि.मी. से अधिक	12 दिन	15 दिन
2,000 कि.मी. से अधिक	15 दिन	15 दिन

वायुयान द्वारा यात्रा को छोड़कर, जिसके लिए अधिकतम 12 दिन होगा

टिप्पणी :

दूरी का तात्पर्य वास्तविक दूरी से है न कि अधिमानित मील दूरी से है जिसके लिए रेलवे द्वारा कतिपय घाट/पहाड़ी भाग में किराया लिया जाता है।

(3) ऊपर दी गई समयसीमा से आगे कार्यग्रहण काल का विस्तार अधिक से अधिक 30 दिनों तक उपाध्यक्ष द्वारा और 30 दिनों से आगे अध्यक्ष द्वारा मंजूर किया जा सकेगा और इस बारे में मार्गदर्शक सिद्धांत यह होगा कि कार्यग्रहण काल की कुल अवधि, तैयारी के लिए 8 दिन और यथोचित मार्गस्थ समय और विन्तारित कार्यग्रहण काल के आगे यदि कोई छुट्टी आदी है, तो वह जोड़कर जो कुल अवधि आये लगभग उसी के बराबर होनी चाहिए। मार्गस्थ समय संगणित करते समय हड़ताल या प्राकृतिक आपदाओं के कारण यातायात में व्यवधान उत्पन्न होने की वजह से अपरिहार्य रूप से व्यतीत हुये समय या स्टीमर के प्रस्थान की प्रतीक्षा में व्यतीत हुई अवधि के लिए छूट दी जा सकती है।

25. कार्यग्रहण काल कर्तव्य पर बिताया गया समय माना जाएगा और उस अवधि के दौरान संबंधित कर्मचारी, पुराने पद का कार्यभार त्यागने से पूर्व वह जो वेतन उठा रहा था उसके बराबर कार्यग्रहण काल वेतन प्राप्त करने का हकदार होगा। कार्यग्रहण काल वेतन के लिए जो समुचित हो, उतना मंहगाई भत्ता भी, यदि कोई हो, प्राप्त करने का हकदार होगा। इसके अलावा जिस पद से उसका तबादला हुआ है उस पद को यथा लागू प्रतिकरात्मक भत्ता, जैसे कि नगर प्रतिकरात्मक भत्ता और आवास भत्ता वह प्राप्त करने का हकदार होगा। वाहन भत्ता प्राप्त करने का वह हकदार नहीं होगा।

26. (एक) जब कोई कर्मचारी निम्न कारणों से पूरे कार्यग्रहण काल का उपयोग किये बिना नया पद ग्रहण करता है—

(क) कि जिसके लिए वह हकदार है ऐसे पूरे कार्यग्रहण काल का उपभोग किये बिना तैनाती के नये स्थान पर नया पद ग्रहण करने का उसे आदेश दिया जाता है।

(ख) कि पूरे कार्यग्रहण काल का उपभोग किये बिना वह तैनाती के नये स्थान पर अकेला जाता है और पद ग्रहण करना है तथा परिवार के लिए यात्रा भत्ता का दावा करने के लिए अनुज्ञेय अवधि के भीतर बाद में अपने परिवार को वहां ले जाता है।

अनुज्ञेय कार्यग्रहण काल के दिनों की संख्या में से, जो अधिकतम पन्द्रह दिनों के अध्यधीन होगी, वास्तव में उपभोग किए कार्यग्रहण काल के दिनों की संख्या घटाकर जो दिन शेष रहते हैं उन्हें जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (छुट्टी) विनियम में यथा अधिकथित अर्जित छुट्टी की अधिकतम संभ्रयन सीमा के अध्यधीन कर्मचारी के छुट्टी खाते में अर्जित छुट्टी के रूप में जमा कर दिया जायेगा।

27. आकस्मिक छुट्टी को छोड़कर अन्य किसी भी प्रकार की और अवधि की नियमित छुट्टी के साथ कार्यग्रहण काल मिलायी जा सकती है।

28. जो कर्मचारी कार्यग्रहण काल के भीतर पद ग्रहण नहीं करता है वह कार्यग्रहण काल बीन जाने के बाद वेतन या छुट्टी वेतन का हकदार नहीं होगा, कार्यग्रहण काल समाप्त होने के बाद ड्यूटी से जानबूझकर अनुपस्थिति कदाचार मानी जा सकती है।

29. कर्मचारी के अनुरोध पर हुए तबादले के मामले में कार्यग्रहण काल अनुज्ञेय नहीं है।

30. अगर इन विनियमों की व्याख्या से संबंधित कोई प्रश्न उत्पन्न होता है तो वह मंडल के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा और मंडल केन्द्रीय सरकार के द्वारा समय समय पर जारी किये गये इस प्रश्न से संबंधित उन अनुदेशों को ध्यान में रखकर व्याख्या करेगा, जो इन विनियमों से असंगत नहीं होंगे।

31. जहां अध्यक्ष का ऐसा मत है कि इन विनियमों के लागू होने से किसी कर्मचारी या कर्मचारियों के किसी वर्ग या किसी विशिष्ट व्यक्ति को कठिनाई होती है तो वह लिखित रूप में आदेश द्वारा कारण दिखाकर इन विनियमों की जरूरतों को उस सीमा तक और उन शर्तों पर शिथिल कर सकते हैं जो न्याय और समानता के आधार पर कठिनाई को मिटाने के लिए जरूरी है। और वह मंडल को सूचित करेंगे।

अनुबंध

अन्यत्र सेवा के मानक निबंधन और शर्तें

(1) दिनांक—(दिनांक लिखा जाये)—से प्रतिनियुक्ति की अवधि— वर्ष

(2) वेतन :—

(एक) (यदि तबादला लोकहित में है)

प्रतिनियुक्ति की अवधि में श्री—
—को यह विकल्प होगा कि यदि वह चाहे तो अपना वेतन अन्यत्र सेवा के पद में सामान्य नियमों के अधीन नियत करवाये अथवा जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट में धारण किये गये पद का वेतन और प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता प्राप्त करें।

(दो) (यदि तबादला लोकहित में नहीं है)

प्रतिनियुक्ति की अवधि में, श्री,
—, सामान्य नियमों के अधीन देय स. —के वेतनमान के पद में वेतन प्राप्त करने के हकदार होंगे।

(3) मंहगाई भत्ता :—श्री—

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट के नियमों के अंतर्गत जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट में अपने वेतनमान के अनुसार अथवा इतर विभाग के नियोजक के नियमों के अंतर्गत इतर विभाग नियोजक के अधीन पद को लागू उनके वेतन के अनुसार मंहगाई भत्ता के लिए हकदार होंगे।

(4) स्थानीय भत्ता, जैसे कि प्रतिकरात्मक (नगर)

भत्ता और मकान किराया भत्ता :—इसका विनियमन इतर विभाग के नियोजक के नियमों के अधीन किया जायेगा। किन्तु इतर विभाग का नियोजक अपने विवेकाधिकार से जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट के नियमों के अधीन ये भत्ते उठाने की अनुमति दे सकेगा।

(5) बच्चों को शैक्षणिक सहायता :—अन्यत्र सेवा की

कालावधि में, श्री—, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट के नियमों के अधीन यथा अनुज्ञेय बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता का दावा करने के लिए पात्र होंगे और तत्संबंधी देयता इतर विभाग के नियोजक को न्यागत होगी।

(6) कार्यग्रहण काल का वेतन और तबादला संबंधी यात्रा

भत्ता :—वह इतर विभाग के नियोजक के नियमों के अधीन प्रतिनियुक्ति पर पदग्रहण करने और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट में प्रत्यावर्तित होने पर यात्रा भत्ता और कार्यग्रहण काल का वेतन दोनों के लिए हकदार होगा। इस संबंध में व्यय का बोझ इतर विभाग नियोजक द्वारा उठाया जायेगा।

(7) प्रतिनियुक्ति की अवधि में ड्यूटी पर की गई यात्रा

के लिए यात्रा भत्ता :—इतर विभाग नियोजक के नियमों के अधीन विनियमित किया जायेगा।

(8) छुट्टी और वेतन :—अन्यत्र सेवाकाल के दौरान

भी उसे ऐसा तबादला होने के पूर्व लागू जवाहरलाल

नेहरू पोर्ट ट्रस्ट के छुट्टी, छुट्टी भुनाई और पेंशन संबंधी नियम लागू रहेंगे। छुट्टी में प्रतिकारान्मक भत्ता संबंधी देयताओं का भार इतर विभाग नियोजक द्वारा उठाया जायेगा। इतर विभाग नियोजक या, यथास्थिति, अन्यत्र सेवा में कार्यरत कर्मचारी, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर विहित छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट को अदा करेगा।

- (9) भविष्य निधि लाभ:—अन्यत्र सेवाकाल के दौरान वह जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट की भविष्य निधि में इस निधि के नियमानुसार अंशदाय करता रहेगा।
- (10) असाधारण पेंशन/उपदान:—जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट के नियमों के अनुसार यह विनियमित किया जाएगा।
- (11) छुट्टी यात्रा रियायत:—वह समय-समय पर यथा-संशोधित जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट के नियमों के अधीन छुट्टी यात्रा रियायत प्राप्त करने का हकदार बना रहेगा और उसका स्वर्ण इतर विभाग के नियोजक द्वारा उठाया जायेगा।
- (12) चिकित्सा संबंधी रियायत:—इतर विभाग नियोजक के नियमों के अधीन वह इन रियायतों के लिए हकदार होगा। ये रियायतें जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट नियमों के अधीन अर्ज्य रियायतों से कम नहीं होंगी।
- (13) आवास:—इतर विभाग नियोजक के नियमों के अनुसार वह आवास प्राप्त करने का हकदार होगा। अन्यत्र सेवा में जिस पद पर उसकी नियुक्ति हुई है जब तक उस पद के लिए सामान्यतः ऐसी सुविधाओं का प्रावधान न हो, उसे न तो निःशुल्क मकान या निःशुल्क कार की सुविधा मिलेगी और न ही वाहन की सुविधा मिलेगी।
- (14) जिस दिनांक को वह जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट के अधीन अपने पद का प्रभार छोड़ता है उसी दिनांक से अन्यत्र सेवा प्रारंभ होगी और जिस दिनांक को वह जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट के अधीन पदभार ग्रहण करता है उस दिनांक को अन्यत्र सेवा समाप्त होगी।

[फा.सं. पी.आर. 12016/43/93-पी.ई. 1]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th October, 1994

G.S.R. 757(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124, read 2366 GI 94—2

with sub-section (i) of Section 132 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Jawaharlal Nehru Port Trust Employees (Foreign Service) Regulations, 1994 made by the Board of Trustees for the Port of Jawaharlal Nehru and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. PR-12016/43/93-PE.I]

ASHOK JOSHI, Jt. Secy.

SCHEDULE

JAWAHARLAL NEHRU PORT TRUST EMPLOYEES

(FOREIGN SERVICE) REGULATIONS, 1993

CHAPTER I

INTRODUCTION

In exercise of the powers conferred under Section 28 of the 'Major Port Trusts Act, 1963' (38 of 1963), the Board of Trustees of the Jawaharlal Nehru Port hereby makes the following regulations, namely:—

SHORT TITLE AND APPLICATION :

1. These regulations shall be called the Jawaharlal Nehru Port Trust Employees (Foreign Service) Regulations, 1994 and they shall be applicable to all employees from such date as the Central Government shall notify in that behalf in the Gazette of India.

CHAPTER II

DEFINITIONS :

2. In these regulations, unless there is anything repugnant in the context or subject:—

- (1) 'ACT' means the 'MAJOR PORT TRUSTS ACT—1963' and any statutory amendments thereto.
- (2) 'Board', 'Chairman', 'Deputy Chairman' and 'Heads of Departments' shall have the same meaning as respectively assigned to them in the Act.
- (3) CADRE means the strength of a service or a part of a service sanctioned as a separate unit.
- (4) 'COMPENSATORY ALLOWANCE' means an allowance included in the Schedule or approved for inclusion in the Schedule or granted under or any other regulations to meet personal expenditure necessitated by the special

circumstances in which duty is performed. It includes travelling allowance.

- (5) 'COMPETENT AUTHORITY' means the Appointing authority as defined in the Jawaharlal Nehru Port Trust Employees Classification, Control and Appeal Regulations, or such other authority subordinate to the Competent Authority to which a power has been delegated by the Board.
- (6) 'DUTY' is deemed to include:—
- (a) Service is as probationer or apprentice provided that such service is followed by confirmation.
 - (b) Joining time as hereinafter defined.
 - (c) A course of instruction or training in India or abroad, and
 - (d) Such periods of authorised absence as may be decided as duty under the provisions of these and/or any other regulations framed under the Act.
- (7) 'EMPLOYEE' means any person appointed to a post on a fixed pay or a time-scale of pay borne on the Schedule or approved to be borne on the Schedule.
- (8) 'FOREIGN SERVICE' means service, in which an employee receives pay with the sanction of the competent authority from any source other than the General Account of the Port.
- (9) 'GOVERNMENT' means the Government of India.
- (10) 'JOINING TIME' means time allowed to an employee on transfer to join a new post or to travel to or from a station to which he is transferred.
- (11) 'LEAVE SALARY' shall have the same meaning as defined in the Jawaharlal Nehru Port Trust Employees Leave Regulations.
- (12) 'LIEN' means the right of an employee to hold substantively either immediately or on the termination of a period or periods of absence, a permanent post, to which he has been appointed substantively.

Explanation :

An employee shall be confirmed in a permanent post only once in the service of the Board. Confirmation will be made after completion of the probation to the satisfaction of the competent authority on a permanent post held by the employee after entry to the service of the Board.

Regular appointment to any other permanent post in their service of the Board after confirmation on a permanent post will entitle the employee to hold lien on that other permanent post.

- (13) 'PAY' means the amount drawn monthly by an employee as:—
- (i) the pay, (other than special pay or pay granted in view of his personal qualifications), which has been sanctioned for a post held by him subsequently or in an officiating capacity or to which he is entitled by reason of his position in the service to the Board and includes pay drawn in a temporary post.
 - (ii) Special pay, personal pay, and
 - (iii) any other emoluments which may be classed as pay by the Board with the prior approval of the Government.
- (14) 'TRAVELLING ALLOWANCE' means an allowance granted to an employee to cover the expenses which he incurs on travelling in the course of his employment. It includes allowances granted for the maintenance of any mode of conveyance.
- (15) Any term which is not defined above but defined in the Jawaharlal Nehru Port Trust (General Conditions of Service) Regulations will have the same meaning as assigned to the term in these regulations.

CHAPTER III

FOREIGN SERVICE

3. Foreign Service only with consent of employee—

- (1) No employee shall be transferred to foreign service against his will.
- (2) No employee shall be transferred to foreign service outside India without prior approval of the Central Govt.

4. General Principle of foreign service—A transfer to foreign service is not admissible unless—

- (i) The duties to be performed after the transfer are such as should, in the opinion of the competent authority be rendered by an employee.
- (ii) The employee transferred holds at the time of transfer lien on a permanent post.

5. Date of commencement of foreign service during leave—If an employee is transferred to a foreign service while on leave, he ceases from the

date of such transfer to be on leave and to draw leave salary.

6. Position of employee on foreign service in the cadre—An employee transferred to a foreign service shall remain in the cadre in which he was included in a substantive or officiating capacity immediately before his transfer and may given such substantive or officiating promotion while on foreign service in the cadre as the competent Authority may decide. In giving promotion such authority shall also take into account the nature of work performed in foreign service.

7. Procedure for fixation of terms and conditions of foreign service—

- (1) An employee in foreign service will draw pay from the foreign employer from the date on which he relinquishes charge of his post in the board's service.

The amount of his pay, the amount of joining time admissible to him, his pay during such joining time and other conditions of transfer will be fixed by the competent Authority in consultation with the foreign employer.

- (2) The terms and conditions of an employee's transfer to foreign service should be settled well in advance in consultation with the foreign employer and communicated to the foreign employer before the employee is released to take up the foreign service. Standard terms and conditions of foreign service are specified in the Annexure.
- (3) No employee will be permitted to receive any remuneration or enjoy any concession which is not communicated to the foreign employer.
- (4) The terms granted to the employee must not be such as to impose an unnecessarily heavy burden on the foreign employer.
- (5) The terms granted must not be so gratefully in excess of the remuneration which the employee receives in the Board's service as to render foreign service appreciably more attractive than Board Service. However, if his transfer to foreign service involves the assumption of duties and responsibilities of far greater importance than those attached to his post

in Board service his pay in foreign service may be specifically fixed with due regard both to his status and pay in Board Service and to the nature of the work for which he is transferred.

(6) The Competent Authority may sanction the grant of the following concessions by the foreign employer:—

- (i) The payment of contributions towards leave salary and pension under these regulations.
- (ii) The grant of travelling allowance under the regulations framed by the foreign employer.
- (iii) The grant of free and furnished residential accommodation.

(7) Restriction in pay increase while in foreign service.—In order that no employee receives an abnormal pay increase by virtue of being posted on foreign service, the competent authority, will ensure that the pay in the scale of pay of the post in foreign service should not exceed the pay in the parent department by more than the amounts shown below:—

For employees in receipt of basic pay above Rs. 2200/-	12% of basic pay or Rs. 330 whichever is more.
--	--

For employees in receipt of basic pay above upto Rs. 2200/-	15% of basic pay or Rs. 200 whichever is more.
---	--

(8) Promotion in foreign service with previous consent of foreign employer: when a person in foreign service is promoted to another post by the foreign employer the foreign employer should obtain the concurrence of the lending authority prior to the promotion.

(9) Payment of project allowance in addition to deputation duty allowance:

Any project allowance admissible in a project area may be drawn in addition to deputation (duty) allowance.

(10) Option to draw pay :—An employee of foreign service may elect to draw either the pay in the scale of pay of the post in foreign service as may be fixed from time to time or his basic pay as fixed from time to time in the Board's service plus personal pay, if any; plus deputation (duty) allowance when he receives a proforma promotion in Board's service or he is reverted to a lower grade in the Board's service or is appointed to another post in the foreign service or in the scale of pay of the foreign service post or that of the post held by him in Board's service is revised he may be allowed fresh option.

(11) Period of foreign service:—The period of foreign service shall be subject to the maximum of three years in all cases except for those posts where a longer period of tenure is prescribed. An extension beyond this limit may be granted by the foreign employer after obtaining the sanction of the Chairman provided that no deputation (duty) allowance will be allowed for extension beyond the fourth year.

8. Deputation (Duty) Allowance :

(1) The deputation (duty allowance) admissible shall be at the following rates:—

- (i) 5% of the employee's basic pay subject to a maximum of Rs. 250 when the transfer is within the same station, and
- (ii) 10 per cent of the employee's basic pay subject to a maximum of Rs. 500 per mensem in all other cases.

Provided that the basic pay plus the deputation (duty) allowance shall at no time exceed Rs. 7300 per month.

(2) The deputation (duty) allowance shall further be so restricted that the basic pay of the employee in his parent department from time to time plus the deputation (duty) allowance does not exceed the maximum rate of the scale of pay of the post held on deputation or where the post on deputation has a fixed amount of pay, that fixed amount.

(3) Basic pay will include special pay where special pay was sanctioned to an employee on a post in addition to a scale of pay in lieu of a separate scale of pay for the post in the parent department. He shall be allowed to draw such special pay in addition to the duty (deputation) allowance.

(4) While an employee is in foreign service:—

- (i) Contributions towards the cost of his pension shall be paid to the General Account of the Port on his behalf.
- (ii) If the foreign service as in India, contributions shall be paid on account of the cost of leave salary also.
- (iii) Contribution due under sub-regulation (1) and/or (2) shall be paid by the employee himself; unless the foreign employer consents to pay them. They shall not be payable during leave taken while in foreign service.
- (iv) By special arrangements made under Regulation (2) the foreign employer may be required to make contributions on account of leave salary in the case of foreign service out of India also.

9. Leave salary contribution—The rate of monthly contribution for leave salary of employees

governed by the Jawaharlal Nehru Port Trust (Leave) Regulations, is 11 per cent of the pay drawn in the foreign service.

10. Rates of monthly contribution of pension:— Rates of Monthly Contribution of Pension shall be expressed as percentage, which depends on the class of service to which the employee belongs and his length of service and is calculated on the maximum monthly pay of the post held by him at the time of his proceeding on foreign service, or of the post if any to which he receives proforma promotion while on foreign service together with D.A., A.D.A. Ad hoc D.A. and/or interim relief which is treated as pay.

Rates of monthly contribution of pension are as follows:—

Year of service		Rates of monthly contribution expressed as percentage of the maximum monthly pay of the post in the officiating/substantive grade, as the case may be held by the officer at the time of proceeding on foreign service			
		Class I	Class II	Class III	Class IV
1	Year	7%	6%	5%	4%
2	"	7%	6%	6%	4%
3	"	8%	7%	6%	5%
4	"	8%	7%	7%	5%
5	"	9%	8%	7%	5%
6	"	10%	8%	7%	6%
7	"	10%	9%	8%	6%
8	"	11%	9%	8%	6%
9	"	11%	10%	9%	7%
10	"	12%	10%	9%	7%
10-11	"	12%	11%	10%	7%
11-12	"	13%	11%	10%	8%
12-13	"	14%	12%	10%	8%
13-14	"	14%	12%	11%	8%
14-15	"	15%	13%	11%	9%
15-16	"	15%	13%	12%	9%
16-17	"	16%	14%	12%	9%
17-18	"	16%	14%	13%	10%
18-19	"	17%	15%	13%	10%
19-20	"	17%	15%	13%	10%
20-21	"	18%	16%	14%	11%
21-22	"	18%	16%	14%	11%
22-23	"	19%	17%	15%	11%
23-24	"	20%	17%	15%	12%
24-25	"	20%	17%	16%	12%
25-26	"	21%	18%	16%	12%
26-27	"	21%	18%	16%	13%
27-28	"	22%	19%	17%	13%
28-29	"	23%	19%	17%	13%
29-30	"	23%	20%	18%	13%
Over 30	"	25%	20%	18%	14%

11. Rates of Contributory Provident Fund Contributions:—

- (1) An employee who is subscriber to the Jawaharlal Nehru Port Trust Contributory Provident Fund and who is transferred to foreign service shall pay Monthly Subscriptions to such fund calculated on the rate of pay drawn in the foreign service.
- (2) The foreign employer or the employee himself shall in addition, also pay for the period of active foreign service a contribution determined by the formula $X+XY$ where X is the amount which would have been credited every month to the employees account in the contributory provident fund had he not proceeded on foreign service, and the rate of pay drawn by him in foreign service shall be regarded as his emoluments for this purpose, and Y is the fraction which the amount recoverable as leave salary contribution bears to pay drawn in foreign service:

Provided that the amount of contribution payable on a percentage basis shall be rounded off to the nearest rupee, fractions equal to 50 paise being rounded off to the next higher rupee.

12. Purpose of leave salary and pension contribution:—

- (1) The pension contribution shall be designed to secure to the employee the pension that he would have earned by service under the Board if he had not been transferred to foreign service.
- (2) The rates of contributions for leave salary will be designed to secure to the employee leave salary on the scale and under the conditions applicable to him.

13. Waiver of leave salary and pension contribution:—

In case of transfer to foreign service the Board may:—

- (i) remit the contributions due in any specified case or class of cases; and
- (ii) prescribe the rate of interest, if any, to be levied on over the contribution.

14. Terms of payment of leave salary and pension contribution:—

- (1) Contributions for leave salary or pension due in respect of an employee in foreign service shall be paid annually, within fifteen days from the end of each

financial year or at the end of the foreign service, if the foreign service expires before the end of a financial year, and if the payment is not made within the said period interest must be paid to the Board on the unpaid contribution at the rate of two paise per day per rupees one hundred from the date of expiry of the period aforesaid up to the date on which the contribution is finally paid. The interest shall be paid by the employee or the foreign employer liable to make such contribution as the case may be.

- (2) The leave salary and pension contribution shall be paid separately and no dues recoverable from the Board on any account shall be set off against these contributions.

- (3) An employee on foreign service may not elect to withhold contributions and to forfeit the right to count as duty in the Board's service, the time spent in foreign employment. The contribution paid on his behalf maintains his claim to pension, or to pension and leave salary as the case may be, in accordance with the rules applicable to him. Neither he nor the foreign employer has any right of property in a contribution paid and no claim for refund shall be entertained.

15. Prohibition of acceptance of pension from foreign employer:—

An employee transferred to a foreign service shall not without the sanction of the Chairman accept a pension or gratuity from the foreign employer in respect of such service.

16. Grant of leave during foreign service:—

An employee in foreign service in India shall not be granted leave otherwise than in accordance with the rules applicable to him in the Board's service and he shall not take leave or receive leave salary from the Board unless he actually quits duty and goes on leave.

17. Payment of leave salary & pension contribution mandating:—

A condition to the effect that "payment of pension contribution and leave salary contribution whether by the foreign employer or by the employee himself shall be inserted in the order sanctioning the transfer on foreign service. Where the transferee employee himself is liable to pay the contributions on account of pension/contributory provident fund and leave salary, it shall be necessary to secure a letter from the transferee, addressed to foreign employer requesting the

foreign employer to pay to the Board from his salary a specific monthly sum as foreign service contributions so as to enable the foreign employer to lawfully and authorisedly effect the necessary deduction from the employee's salary and remit it to the Board.

18. Medical benefit mandatory:—

No employee shall be transferred to foreign service unless the foreign employer undertakes to provide him with medical privileges and facilities not inferior to those which he would have enjoyed in the service of the Board.

19. Disability leave salary mandatory:—

(1) The foreign employer shall in the case of employees transferred to foreign service accept liability for leave salary in respect of disability leave granted on account of disability incurred during the period of foreign service, even though such disability manifests itself after the termination of foreign service.

(2) The leave salary charges for such leave shall be recovered by the employee directly from the foreign employer, and a condition to this effect should be inserted in the terms of the order sanctioning the transfer to foreign service.

20. Transfer of a foreign service to another:—

In the case of an employee who proceeds on transfer from one foreign employer to another without reverting to the Board's service, the transit pay, allowances and transfer travelling allowance shall be borne by the foreign employer to whom the employee proceeds on transfer.

21. Payment of dearness allowance on death:—

The amount of dearness allowance payable to an employee who retires or dies while in foreign service shall be paid to him by the Board as a part of cash equivalent of leave salary in lieu of unutilised leave admissible to him at the time of his retirement or demise.

JOINING TIME

22. Joining time shall be granted to an employee who is transferred with the approval of the competent authority to enable him to join the new post either at the same or a new station. No joining time is admissible in cases of temporary transfer for a period not exceeding 180 days; only the actual transit time, as admissible in case of journeys on tour may be allowed.

23. Commencement of joining time:—

The joining time shall commence from the date of relinquishment of charge of the old post

if the charge is made over in the forenoon or the following date if the charge is made over in the afternoon.

24. Amount of joining time pay:—

(i) Not more than one day's joining time shall be allowed to an employee to join a new post within the same station or which does not involve a change of residence from one station to another.

Explanation : For this purpose, the term 'same station' will be interpreted to mean the area falling within the jurisdiction of the municipality or corporation including such of suburban municipalities, notified areas or cantonments as are contiguous to the named municipality, etc.

(ii) In cases involving transfer from one station to another and also involving change of residence, the employee shall be allowed joining time with reference to the distance between the old headquarters and the new headquarters by direct route and ordinary mode(s) of travel as indicated in the following schedule. When a holiday or holidays follow joining time, the normal joining time may be deemed to have extended to cover such holidays.

Distance between the old headquarters and the new headquarters	Joining time admissible	Joining time admissible where the transfer necessarily involves continuous travel by road for more than 200 kms.
1,000 km or less	10 days	12 days
More than 1000 kms.	12 days	15 days
More than 2000 kms.	15 days except in cases of travel by air for which the maximum will be 12 days.	15 days

NOTE :

Distance means actual distance and not weighted mileage for which fare is charged by the Railways in certain ghat/hill sections.

(iii) Extension of joining time beyond the limits indicated above can be granted upto the maximum limit of 30 days by the Dy. Chairman and beyond 30 days by the Chairman, the guiding principle being that the total period of joining time should be approximately equal to 8 days for preparation PLUS reason-

able transit time PLUS holidays, if any following the extended joining time. While computing the transit time, allowance could be made for the time unavoidably spent due to disruption of transport arrangements caused by strike or natural calamities, or the period spent awaiting the departure of a steamer.

25. Joining time pay :

Joining time shall be regarded as period of time spent on duty and during that period the employee concerned shall be entitled to be paid joining time pay equal to the pay which was drawn by him before relinquishment of charge in the old post. He will also be entitled to Dearness Allowance, if any appropriate to the joining time pay. In addition, he will be entitled to draw compensatory allowance like City Compensatory Allowance and House rent allowance as applicable to the old post from which he was transferred. He shall not be entitled to receive convenance allowances.

26. Credit of non-availed joining time to leave account :

- (i) When an employee joins the new post without availing himself of full joining time, by reasons that—
 - (a) he is ordered to join the new post at a new place of posting without availing of full joining time to which he is entitled; or
 - (b) he proceeds alone to the new place of posting and joins the post without availing full joining time and takes his family later within the permissible period of time for claiming travelling allowance for the family.

The number of days of joining time admissible subject to the maximum 15 days reduced by the number of days of joining time actually availed of shall be credited to his leave account as earned leave subject to a ceiling on maximum accumulation of earned leave as laid down in the JNPT (Leave) Regulations.

27. Combination of joining time with leave :

Joining time may be combined with regular leave of any kind or duration except casual leave.

28. Overstaval of joining time misbehaving :

An employee who does not join his post within his joining time is not entitled to

pay or leave salary after the end of the joining time. Wilful absence from duty after the expiry of joining time may be treated as misbehaviour.

29. No joining time as voluntary transfer :

Joining time is not admissible in the case of transfer of an employee on his request.

CHAPTER IV

30. If any question arises as to the interpretation of these Regulations, it shall be referred to the Board which shall be guided by the instructions issued by the Central Govt. on the subject from time to time so far as they are not inconsistent with these Regulations.

31. Where the Chairman is of the opinion that the operation of any of these regulations may cause undue hardship to any employee or class of employees or any particular person, he may by order, for reasons to be recorded in writing, relax the requirements of these Regulations to such extent and subject to such conditions as he may consider necessary for mitigating the hardship in just and equitable manner and make a report to the Board.

Annexure

STANDARD TERMS & CONDITIONS OF FOREIGN SERVICE

(1) Period of deputation ————— years from ————— (dated to be given)

(2) Pay :

(i) (If the transfer is in the public interest)
During the period of deputation, Shri ————— will have the option either to get his pay fixed in the foreign service post under the operation of the normal rules or to draw pay of the post held by him in J.N.P.T. plus a deputation (duty) allowance..

(ii) (If the transfer is not in the public interest)

During the period of deputation Shri ————— will be entitled to pay in the scale of the post of Rs. ————— due under the operation of the normal rules.

(3) Dearness Allowance : Shri ————— will be entitled to dearness allowance under the rules of the J.N.P.T. or under the rules of the foreign Employer according as he retains his scale of pay under the JNPT or he draws pay in the scale attached to the post under the foreign employer.

(4) Local Allowance like Compensatory (City) Allowance & H.R.A. :—To be regulated under the rules of the foreign Employer., but the Foreign employer may at its discretion allow these allowances under the rules of the J.N.P.T.

(5) Children's Educational Assistance :—During the period of foreign service Shri— will be eligible to claim the Children's Education Allowance as admissible under the rules of J.N.P.T. and liability in this regard will devolve on the foreign employer.

(6) Joining Time Pay and Transfer T.A. :—He will be entitled to T.A. and joining time both on joining the post on deputation and on reversion therefrom to the J.N.P.T. under the rules of the Foreign Employer. The expenditure on this account will be borne by the Foreign Employer.

(7) T.A. for Journey on Duty during the period of deputation :—To be regulated under the rules of the Foreign Employer.

(8) Leave & Pension :—During the period of Foreign Service he will continue to be governed by the leave, leave encashment & pension rules of the JNPT applicable to him before such transfer. Liability on account of compensatory allowance during leave shall be borne by the foreign employer. The foreign employer or the employee on foreign service as the case may be shall pay leave

salary and pension contributions to the JNPT as prescribed by JNPT from time to time.

(9) Provident Fund benefits :—During the period of foreign service he will continue to subscribe to the provident fund of JNPT in accordance with the rules of such Fund.

(10) Extraordinary pension/gratuity :—This will be regulated in accordance with the rules of the JNPT.

(11) Leave Travel Concession :—He will continue to be entitled to leave travel concession under the rules of the JNPT as amended from time to time and the cost thereof will be borne by the foreign employer.

(12) Medical Concessions :—He will be entitled to those concessions under the rules of the Foreign Employer. They should not be lower than those admissible under the rules of the JNPT.

[No. P.R-12016/43/93-P.E.I]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.